

③ तत्पुरुष समास - 'दूसरा पद प्रधान'

तत्पुरुष समास की पहचान:-

- (i) → इस समास का दूसरा पद मुख्य व पहला पद गौण होता है।
- (ii) → इसमें उत्तर पद प्रायः विशेष्य का काम करता है।
- (iii) → इस समास में लिंग व वचन का प्रयोग अन्तिम पद के अनुसार होता है।
- (iv) → इसके पूर्व पद में ही कारक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
- (v) → इसमें समास विगूट करते समय कर्म कारक से लेकर अधिकरण कारक तक के विभक्ति चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

नपुंरुष समस के भेद:-

- (i) → नञ् नपुंरुष समस
- (ii) → भुक्तपद " "
- (iii) → अलुक्त " "
- (iv) → भुक्तकारकचिह्न " "
- (v) → उपपद " "

(i) नञ् नतपुरुष समास-

इस समास में निषेध का बोध
 करने वाले उपसर्ग 'अ, अन्, अन और ना' (अन्ना)
 प्रयुक्त होते हैं, इसलिए इसे 'नञ् नतपुरुष' समास कहते हैं-
 जैसे- अयोग्य-योग्य नहीं, असंभव-संभव नहीं,
 असत्य-सत्य नहीं, अकारण-कारण नहीं, अस्थिर-स्थिर नहीं,

અનાવશ્યક - આવશ્યક નહીં, અનાદૂર - આદૂર (બુસાયા) નહીં
 અનહોની - હોની નહીં, અનાવરણ - આવરણ નહીં
 અનદેખા - દેખા નહીં, અનચાહા - ચાહા નહીં
 અનમોલ - મોલ નહીં, અચેતન - ચેતન નહીં
 અપવિત્ર - પવિત્ર નહીં, અનાચાર - આચરણ નહીં
 જાલાયક - ભાયક નહીં, જાપસંદ - પસંદ નહીં

② भुक्त पद लघुपद समास-

जिस समास में दो पदों के बीच प्रयुक्त अन्य पदों का लोप हो जाता है, उसे भुक्त पद/मध्यम पद लोपी लघुपद समास कहते हैं-

जैसे - रेलगाड़ी - रेल पर चलने वाली गाड़ी
बैलगाड़ी - बैल से चलने वाली गाड़ी